Today's Poem – 13.05.2014

बाप जो सुनाते हैं, वह तुम्हारे दिल पर छप जाना चाहिए

सूर्यवंशी घराने में ऊँच पद पाने के लिए धारणा भी करनी चाहिए

सदा स्वदर्शन चक्र फिराने से हो जाएँगे रिफ्रेश

बाबा रोज़ मुरली सुनाकर करते हमें फ्रेश

एक बाप के संग से स्वयं को पारसबुद्धि बनाना है

सम्पूर्ण निर्विकारी है बनना ,कुसंग से दूर रहना है

शिवबाबा आये हैं हमें ज्ञान सूर्यवंशी बनाने

और ज्ञान रत्नों से सजाने

बाप से लो शक्ति

मिलेगी हर परिस्थिति से मुक्ति

मेरा बाबा !!

ॐ शान्ति !!!